



Himanshu



Arti

Model: Love-Horoscope

Order No: 121686701

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
15/11/1997 :	जन्म तिथि	: 10/02/2003
शनिवार :	दिन	: सोमवार
घंटे 09:45:00 :	जन्म समय	: 17:55:00 घंटे
घटी 07:21:39 :	जन्म समय(घटी)	: 26:58:25 घटी
India :	देश	: India
Solan :	स्थान	: Solan
30:54:00 उत्तर :	अक्षांश	: 30:54:00 उत्तर
77:06:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:06:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:36 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:36 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:48:20 :	सूर्योदय	: 07:07:37
17:23:57 :	सूर्यास्त	: 18:04:24
23:49:33 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:53:48
धनु :	लग्न	: कर्क
गुरु :	लग्न लग्नाधिपति	: चन्द्र
वृष :	राशि	: वृष
शुक्र :	राशि-स्वामी	: शुक्र
कृतिका :	नक्षत्र	: कृतिका
सूर्य :	नक्षत्र स्वामी	: सूर्य
4 :	चरण	: 4
परिघ :	योग	: ऐन्द्र
कौलव :	करण	: बालव
ए-एकलव्य :	जन्म नामाक्षर	: ए-ऐश्वर्या
वृश्चिक :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कुम्भ
वैश्य :	वर्ण	: वैश्य
चतुष्पाद :	वश्य	: चतुष्पाद
मेष :	योनि	: मेष
राक्षस :	गण	: राक्षस
अन्त्य :	नाड़ी	: अन्त्य
गरुड़ :	वर्ग	: गरुड़

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
सूर्य 1वर्ष 4मा 26दि
राहु

12/04/2016

12/04/2034

राहु	24/12/2018
गुरु	18/05/2021
शनि	24/03/2024
बुध	12/10/2026
केतु	30/10/2027
शुक्र	30/10/2030
सूर्य	24/09/2031
चन्द्र	25/03/2033
मंगल	12/04/2034

अंश

06:16:16
29:00:25
06:52:34
10:39:36
16:59:03
20:34:04
15:43:28
20:33:55
23:40:25
23:40:25
11:20:09
03:44:05
11:09:16

राशि

धनु
तुला
वृष
धनु
वृश्चि
मक
धनु
मीन व
सिंह व
कुंभ व
मक
मक
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु व
शुक्र
शनि व
राहु
केतु
हर्ष
नेप
प्लूटो

राशि

कर्क
मक
वृष
वृश्चि
मक
कर्क
धनु
वृष
वृश्चि
कुंभ
मक
वृश्चि

अंश

26:17:15
27:27:02
08:56:10
21:46:32
02:53:34
18:07:44
12:51:48
28:22:08
11:33:49
11:33:49
04:29:07
17:09:56
25:35:53

विंशोत्तरी

सूर्य 0वर्ष 5मा 22दि
राहु

03/08/2020

04/08/2038

राहु	17/04/2023
गुरु	09/09/2025
शनि	16/07/2028
बुध	02/02/2031
केतु	21/02/2032
शुक्र	21/02/2035
सूर्य	15/01/2036
चन्द्र	16/07/2037
मंगल	04/08/2038

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

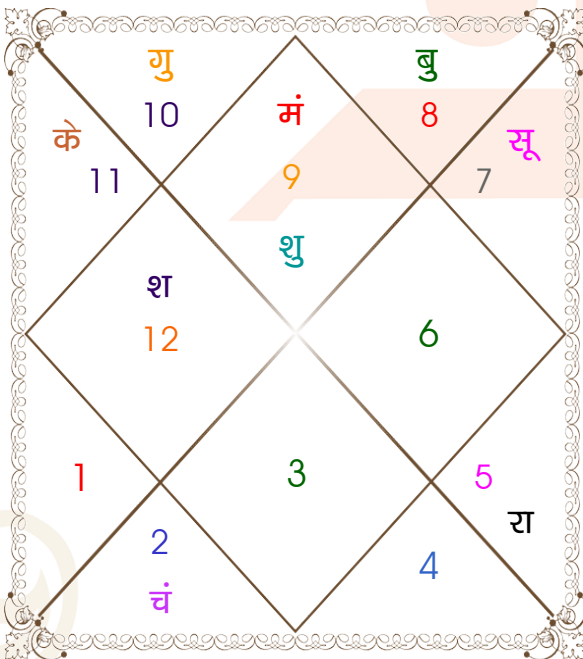
राहु : स्पष्ट

23:49:33

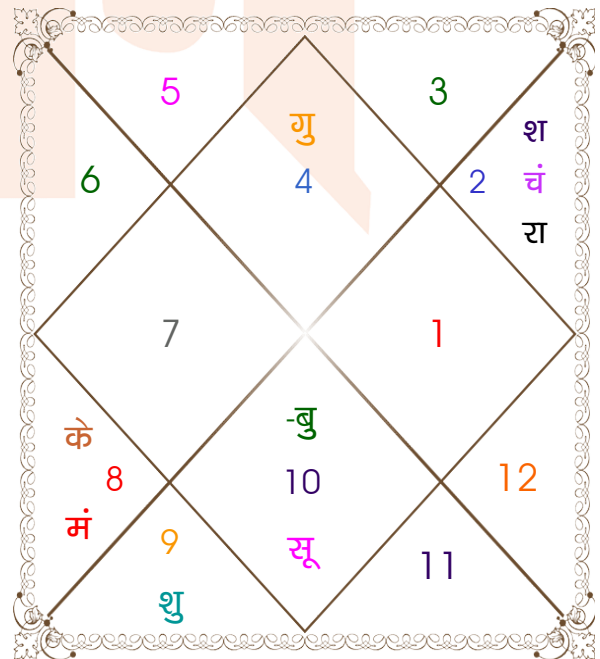
चित्रपक्षीय अयनांश

23:53:48

लग्न-चलित



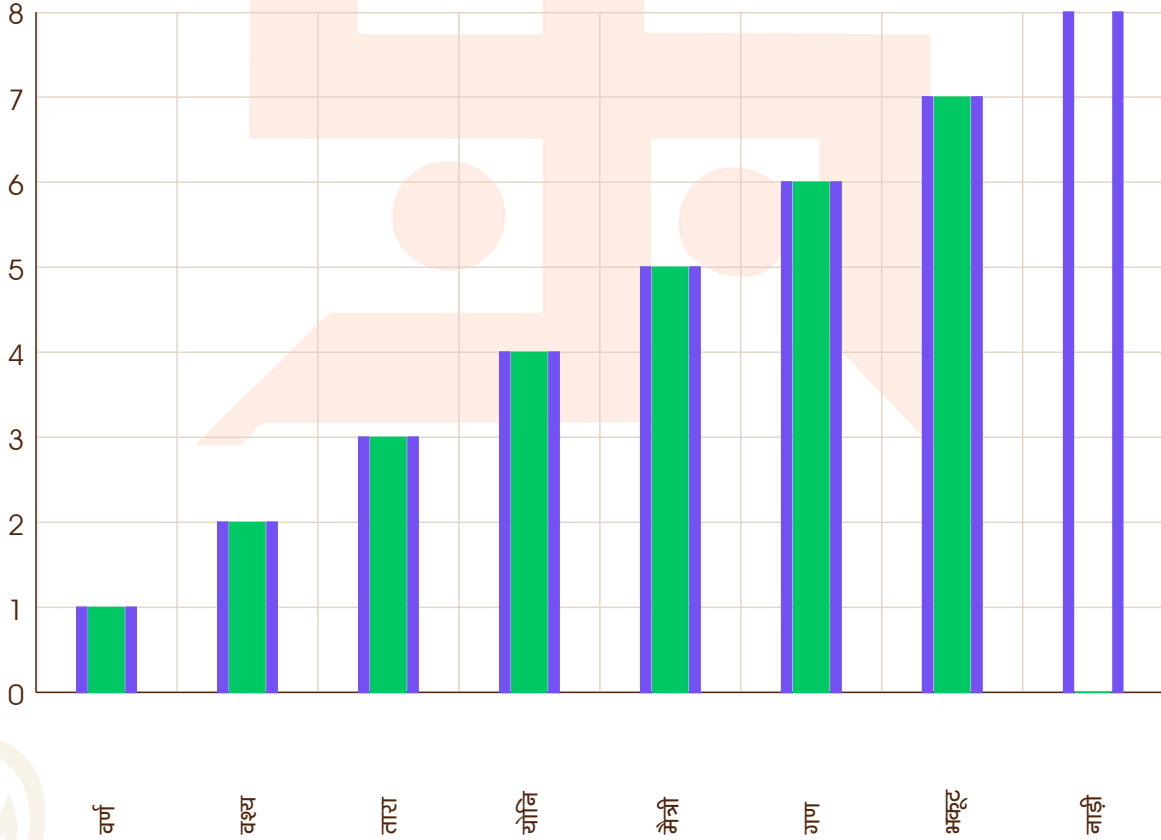
लग्न-चलित



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	मेष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

कुल : 28 / 36



अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के एक ही नक्षत्र एवं एक ही चरण है।
Himanshu का वर्ग गरुड़ है तथा Arti का वर्ग गरुड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Himanshu और Arti का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Himanshu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।
Arti मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।
क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Arti की कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Himanshu तथा Arti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Himanshu का वर्ण वैश्य है तथा Arti का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण Himanshu और Arti दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। Himanshu और Arti दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

Himanshu का वश्य चतुष्पद है एवं Arti का वश्य भी चतुष्पद है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Himanshu एवं Arti दोनों के स्वभाव, पसंद एक समान होंगे तथा आपसी तालमेल काफी अच्छा रहेगा, जिससे परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता रहेगा। दोनों के बीच अत्यधिक प्रेम की भावना भी बनी रहेगी।

तारा

Himanshu की तारा जन्म तथा Arti की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Himanshu की योनि मेष है तथा Arti की योनि भी मेष है। अर्थात् दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्दपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या का समधान शीघ्र ही निकाल पाने में सक्षम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Himanshu एवं Arti दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Himanshu एवं Arti दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Himanshu का गण राक्षस है तथा Arti का गण भी राक्षस है। अर्थात् Arti का गण Himanshu के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण Himanshu एवं Arti दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

Himanshu एवं Arti दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान Himanshu एवं Arti तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

Himanshu की नाड़ी अन्त्य है तथा Arti की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Himanshu एवं Arti की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वास की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Himanshu और Arti का मिलान उत्तम रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर इनमें समानता रहेगी। Himanshu और Arti दोनों भूमितत्व राशि वृष राशि के हैं। अतः स्वाभाविक दृष्टिकोण तथा उनके जीवन के दर्शन में समानता रहेगी तथा आदर्शवाद भी उनमें विद्यमान रहेगा। साथ ही दोनों की प्रवृत्ति शांत प्रिय रहेगी फलतः दाम्पत्य सुख शांति एवं समृद्धि से युक्त होकर व्यतीत होगा।

Himanshu और Arti की राशि का स्वामी शुक्र है। अतः शुक्र के प्रभाव से दोनों आदर्श प्रेमी होंगे तथा संगीत के प्रति पूर्ण रूप से रुचिशील रहेंगे। आप दोनों संगीत के द्वारा जीवन में रोमांस आनंद एवं शांति की अनुभूति करेंगे तथा विवाद के समय संगीत द्वारा आपके मतभेद दूर होंगे।

Himanshu और Arti दोनों की राशि परस्पर प्रथम-प्रथम भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट होता है। इसके प्रभाव से Himanshu एक सहृदय व्यक्ति होंगे तथा सरलता का भाव उनमें विद्यमान रहेगा। Arti की रुचि पाकशास्त्र के प्रति रहेगी तथा स्वादिष्ट व्यंजन बनाने में दक्ष रहेंगी फलतः दोनों के संबंधों में परस्पर प्रगाढ़ता रहेगी। इसके अतिरिक्त छोटे मोटे विवादों का आपसी समझ बूझ से हल करके अपना समय शांति पूर्वक व्यतीत करेंगे।

Himanshu और Arti दोनों का वश्य चतुष्पद है। अतः इनकी अभिरुचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक संबंधों में भी समता रहेगी फलतः आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा एवं काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में समर्थ होंगे जिससे आंतरिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी।

Himanshu और Arti दोनों का वर्ण वैश्य है। अतः दोनों व्यापारिक बुद्धि से कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे तथा धनार्जन में नित्य तत्पर रहेंगे जिससे आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता रहेगी तथा दाम्पत्य संबंध मधुरता से पूर्ण रहेंगे।

धन

Himanshu और Arti का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रशस्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Himanshu और Arti सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Himanshu को पैतृक सम्पत्ति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में

समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे ।

स्वास्थ्य

Himanshu और Arti अन्वय नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं । अतः एक ही नाड़ी में उत्पन्न होने के कारण उनका स्वास्थ्य नाड़ी दोष से प्रभावित होगा तथा शारीरिक रूप से दोनों अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे । इसका मुख्य प्रभाव Arti पर रहेगा जिससे वह गले तथा फेफड़ों से सम्बंधित परेशानी महसूस करेंगी । साथ ही कफ या शीतादि से भी उन्हें शारीरिक परेशानी होती रहेगी । मंगल के दुष्प्रभाव से भी Arti को धातु या गुप्त रोगों से परेशानी रहेगी जिससे मासिक धर्म सम्बन्धी अनियमितता भी हो सकती है । अतः मंगल के दुष्प्रभाव को समाप्त करने के लिए Himanshu को नियमित रूप से हनुमान जी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए ।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Himanshu और Arti का मिलान उत्तम रहेगा । इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा । साथ ही इनके कन्या एवं पुत्र संततियों की संख्या समान होगी तथा जन्म समय का अंतर भी अनुकूल रहेगा फलतः उनका उचित पालन पोषण एवं अन्य कार्य करने में वे समर्थ होंगे ।

लेकिन Arti को गर्भपात संबन्धी समस्या का सामना करना पड़ सकता है अतः इसके लिए अतिरिक्त सुरक्षा एवं स्वास्थ्य का ध्यान रखना पड़ेगा । साथ ही समय समय पर नियमित रूप से डाक्टरी परीक्षण भी करवाने चाहिए । यदि इन बातों का Arti पूर्ण रूप से ध्यान रखें तो उपरोक्त समस्या में न्यूनता आ सकती है । लेकिन गर्भपात के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रकार की प्रसूति चिकित्सा आदि का सामना नहीं करना पड़ेगा तथा सुदंर एवं स्वस्थ बच्चों को जन्म देने में Arti समर्थ रहेंगी ।

Himanshu और Arti अपनी संतति से पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा बच्चे भी अपनी बुद्धिमता योग्यता तथा व्यवहार कुशलता से अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे । यद्यपि बच्चे माता पिता के प्रति पूर्ण आदर तथा आज्ञा पालन का भाव रखेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे परन्तु पिता की अपेक्षा माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव होगा तथा उनकी आज्ञा का पालन करने में तत्पर रहेंगे । इस प्रकार Himanshu और Arti का पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे ।

ससुराल-सुश्री

Arti के अपनी ससुराल के लोगों से संबन्धों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Arti धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति

प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Arti के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Arti का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Arti से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Himanshu के अपनी सास से संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण इनमें विचार वैभिन्यता रहेगी लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा संबधों में वृद्धि के भी अवसर बनेंगे।

साथ ही ससुर से भी परस्पर संबधों में विवाद तथा तनाव युक्त वातावरण रहेगा जिससे न ही Himanshu उनको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे तथा वे भी इन्हें विशेष अपनत्व तथा स्नेह का भाव अल्प ही प्रदान करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों से संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति का भाव रहेगा। इनके संबधों में मित्रता का भाव भी रहेगा जिससे परस्पर मुक्त भाव से वार्तालाप होता रहेगा। इस प्रकार ससुराल वालों का दृष्टिकोण Himanshu के प्रति अनुकूल रहेगा तथा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में नित्य प्रयत्नशील रहेंगे।

लग्न फल

Himanshu

आपका जन्म मूल नक्षत्र के द्वितीय चरण में धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदित काल मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ राशि का नवमांश एवं धनु राशि में द्रेष्काण के प्रभाव से ज्योतिषीय आकृति यह स्पष्ट करता है कि आपका संपूर्ण जीवन आरामदायक बीतेगा। यह ज्योतिषीय तथ्यों द्वारा प्रमाणित है।

आप शारीरिक, अर्थिक एवं भोग विलास से युक्त जीवन बिताने के लिए भगवान द्वारा प्रदत्त वरदानों के अनुरूप सुखी रहेंगे। आप स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक जीवन व्यतीत करेंगे। यदि कोई आपको हानि पहुंचाये अथवा पीड़ा पहुंचाये तो निष्कट भाव से उसे परास्त कर देंगे। यथा आप किसी भी विषय में अपनी राय स्पष्ट रूप से व्यक्त कर देंगे। आप मात्र विश्वसनीयता पूर्वक ऐसा वक्तव्य देगे। निश्चयपूर्वक सभी लोग इस प्रवृत्ति को पसंद नहीं करेंगे। अतएव आप अपनी भाषा पर निगरानी रखें।

आप धन प्राप्ति के पश्चात् परम प्रकृति पुरुष अर्थात् ईश्वर एवं धर्म के संबंध में विचार करके आप धर्म एवं दर्शन के प्रति सफलता प्राप्त कर सकेंगे। यह संभाव्य है कि आप अपनी आयु के 27 वें वर्ष अथवा 31 वे वर्ष की आयु में हवा में गिरा फल के समान धन प्राप्त करेंगे। अर्थात् आकस्मिक रूप से धनी हो जाएंगे।

निःसंदेह आप अपने परिवार एवं बच्चों के प्रति तथा उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अच्छी प्रकार चिंतन करेंगे तथा परिवारिक सुख प्राप्ति में अभिरुचि लेंगे। परंतु आप उनके साथ अधिक समय व्यतीत करने में सक्षम नहीं होंगे, क्योंकि आपका अधिक समय यात्रा करने, मार्केटिंग करने, खेलकूद में व्यस्त रहने अथवा बाहरी कार्यक्रम में व्यस्त रहेंगे। तथापि आप अपनी समझदार पत्नी एवं उदीयमान पुत्रों से युक्त होंगे।

आप जब कभी भी किसी कार्य के प्रारंभ करने के हस्ताक्षरित करेंगे। उस कार्य को प्रति उत्पन्नमति से संपादित कर सफल हो जाएंगे। आप अधिक से अधिक लोगों द्वारा आनंद प्राप्त करेंगे। आपमें अंतःप्रज्ञा की शक्ति निहित है। आपकी अधिकाधिक भविष्यवाणी की आकृति अनुमानित सच्चाई पर विचारणीय होता है। आप इस अच्छे गुण को अच्छी प्रकार कार्यान्वित करने के गुण आपमें विद्यमान है। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सुगमतापूर्वक अपेक्षित एवं अनुकूल संपादन करेंगे।

आप सदैव ही कुछ न कुछ कार्य करते रहेंगे। फिर भी सभी को कुछ न कुछ अभावग्रस्त रहना ही पड़ेगा। आप अपने किसी भी प्रकार की समस्या को अच्छी प्रकार संभालने के लिए समर्थ होंगे। यद्यपि आप प्रायः सभी दृष्टिकोण से आशावान रहेंगे। परंतु आपका स्वास्थ्य किसी न किसी विंदु पर चिन्ताजनक होगा। आप निश्चय पूर्वक अच्छे स्वास्थ्य का आनन्द अवश्य ही प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसी आशंका है कि आप गठिया वायु रोग, जुकाम, सर्दी एवं कफ जनित रोग तथा हड्डी रोग से संबंधित समस्याएं प्रभावित कर सकती है।

आपके लिए रंगों में सफेद क्रीम रंग, नीला, सूआपंखी, नारंगी एवं हरा रंग आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली है। परंतु रंग लाल, काला एवं मोतिया रंग अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है, जबकि अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

परंतु सोमवार एवं मंगलवार का दिन आपके हित सर्वथा त्याजनीय है।

Arti

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के तृतीय चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ है। तत्क्षण मेदिनीय क्षितिज पर मकर लग्नान्तर्गत कुंभ का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। नक्षत्रीय प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि कोई अतिरिक्त प्रभाव नहीं तथापि आशा है कि आपको अपनी अच्छी जिन्दगी के लिए जीवन के 34 वें वर्ष तक उत्सुकता पूर्वक प्रतीक्षा करनी होगी। परन्तु आप यदि विश्वासपूर्वक कृतसंकल्पित होकर भली प्रकार अपने कर्मपथ पर प्रयासरत एवं कार्यरत रहें तो समय के पूर्व भी सफल हो सकती हैं।

आपकी राशि प्रभाव से यह स्पष्ट संकेत प्राप्त होता है कि आपकी आय अच्छी होगी परन्तु आपके सम्बंध में सभी लोग जानते हैं कि आप मद्यपान एवं आनन्द प्राप्त करती हैं। परन्तु यह विन्दु स्पष्ट करता है कि आप किस प्रकार रमणीय एवं मूल्यवान प्रेम सम्बंध से सुरक्षित रह सकेंगी। सम्प्रति आपकी मनोवृत्ति अत्यधिक स्वार्थपूर्ण हैं। आप सदैव अधिक मात्रा में अपने स्वार्थ साधन हेतु धन का व्यय कर सकती हैं। इस दशा में आपको बृहद् परिवार के साथ मतभिन्नता रहना स्वाभाविक है कि आपके पति के साथ आपका उत्कट प्रेम एवं अनुशासित सन्तान का स्नेह सम्बंध किस प्रकार मधुर बना रह सकेगा।

अतएव आपको सावधानी पूर्वक धन का व्यय करना चाहिए अन्यथा आपका जीवन एवं पारिवारिक सम्बंध स्थापित रहना अस्वाभाविक है।

यह आपके ऊपर निर्भर है कि आप अपनी स्वाभाविक क्षमता के अनुरूप इस महत्वपूर्ण कार्य का सम्पादन कर लाभान्वित हो। आप रुचिकर साहित्य का पठन एवं लेखन कर प्रभावशाली बातचीत करती हैं। आप अन्य लोगों पर इसका समुचित उपयोग कर अपना प्रभाव जमा सकती हैं। यदि आप अन्य लोगों के साथ इस नकारात्मक गुणों का व्यवहार करें तो अन्य लोगों को ऐसा सन्देह हो सकता है कि आप उनके साथ धोखा धड़ी करती है। यदि एक वार लोगों की ऐसा धारणा बन गई तो पुनः इसको मिटाना दुष्कर कार्य होगा। परिणाम स्वरूप आप अपने व्यवसायिक एवं अन्य व्यवहार लोगों के साथ कर के सफलता प्राप्त नहीं करेंगी।

परन्तु यदि आप अपनी प्रवृत्ति अच्छे कार्यों के अनुरूप कर ले तो आप स्वयं ही नहीं बल्कि सहयोगी बन्धु-बान्धव एवं अतिप्रिय व्यक्ति युक्त आवश्यकता के अनुरूप सुखद जीवन

बिता सकती हैं। आपके लिए सुन्दर एवं अनुकूल व्यवसाय प्रवृत्ति के अनुरूप वाणिज्य व्यवसाय हेतु लेखा परीक्षण का कार्य, ट्रेवल्स एजेन्ट्स एवं यानी निर्देशन का कार्य (गार्ड का कार्य) सुन्दर एवं अनुकूल है।

आप स्वाभाविक रूप से समर्पित महिला हैं। आपकी धार्मिक मामले में अभिरुचि है और आपका विकास भी इसी क्षेत्र में होगा। यह गुण आपके सामान्य ज्ञान एवं आपकी शिक्षा द्वारा दर्शनशास्त्र के प्रकाशन से संभव एवं अनुकूल हो सकता है। इसके द्वारा आपको लाभान्ध प्राप्त होगा।

आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं उत्तम रहेगा। परन्तु यह संभव है कि आप उदर रोग, जलोदर, एवं गांठ की जोड़ों दर्द से प्रभावित हो सकती हैं।

अतः आपको निर्देश है कि आप स्वास्थ्य के सम्बंध में पूर्ण सावधानी बरतें एवं समय-समय पर संयमित जीवन व्यतीत करने के लिए चिकित्सा सम्बंधी जाँच कराती रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नहीं होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक भाग्यशाली अनुकूल एवं प्रपफुलित करने वाला है। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक निष्क्रिय एवं अंक 3 एवं 5 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपका भाग्यशाली रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं सफेद रंग है तथा नकारात्मक रंग हरा एवं ब्लू रंग है।

अंक ज्योतिष फल

Himanshu

आपका जन्म दिनांक 15 है। एक एवं पाँच के योग से आपका मूलांक 6 होगा। मूलांक 6 का अधिष्ठाता शुक्र है एवं एक का सूर्य तथा पाँच का बुध है। आपके जीवन में इन तीनों ग्रहों की काफी भूमिका रहेगी। मूलांक 6 के प्रभाव से आप एक सौन्दर्य प्रेमी, सुरुचिपूर्ण व्यवहार करने वाले, जनता के मध्य लोकप्रिय व्यक्ति होंगे। ललित कलाओं में आपकी रुचि रहेगी एवं गान, वाद्य, गीत संगीत सुनने का शौक रहेगा। आप प्रत्येक कार्य में स्वच्छता पसन्द करेंगे। आपके अन्दर दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करने की शक्ति रहेगी एवं उन्हें अपना बना लेने की कला रहेगी।

सूर्य के प्रभाव से आप जीवन में सदैव प्रकाशित रहना चाहेंगे। परोपकार में हिचकेंगे नहीं तथा अपने कार्य को निष्पक्ष एवं ईमानदारी से करेंगे। बुध के प्रभाव से आपमें वाणी चातुर्य का विकास होगा। आप सोच-समझकर वाणी व्यवहार करेंगे। तर्क शक्ति अच्छी होगी तथा दूसरों को अपनी बात सहज में समझाने की सामर्थ्य रहेगी। आपकी समाज सेवा के कार्यों में रुचि रहेगी। दान पुण्य के कार्य आपके हाथ से होंगे। विद्याध्यन आपके लिये हितकर है एवं अपने बुद्धि चातुर्य, विद्या बुद्धि के सहारे अपने जीवन में प्रारम्भ से ही सफलता अर्जित करेंगे। एकाध असफलताएँ भी मिलेंगी। लेकिन इनसे आप बिना विचलित हुये अपने जीवन के लक्ष्य पर पहुँचेंगे एवं घर परिवार, समाज में नाम कमायेंगे।

Arti

आपका जन्म दिनांक दस है। एक एवं शून्य का जोड़ एक होता है जोकि अंक ज्योतिषानुसार आपका मूलांक होता है। मूलांक एक का स्वामी सूर्य और शून्य को ब्रह्म या शिव माना गया है। इनके प्रभाववश आप अपने क्षेत्र में एक प्रभावशील महिला होंगी। सूर्य जिस तरह से प्रकाशित एवं अस्त होता है वैसे ही आपके जीवन में काफी ऐसे अवसर आयेंगे जिनमें आपको सफलताएँ प्राप्त होंगी। कभी-कभी अस्त सूर्य के समान असफलता का भी सामना करना पड़ेगा। लेकिन आप असफलता से पीछे नहीं हटेंगी। कुछ दिन शिव की तरह शांत रहकर पुनः सफलता अर्जित करेंगी। संघर्ष, साहस, धैर्य एवं उच्च महत्वाकांक्षायें आप में अधिक रहेंगी।

आप स्थिरवादी, दृढ़ निश्चयी, वचनशील महिला होंगी। इन गुणों वश मेहनत एवं ईमानदारी से सफलता अर्जित करेंगी। संघर्षों से पीछे नहीं हटेंगी। समाज में नाम तथा यश प्राप्त करेंगी। आप परोपकारवादी, बहुतों की पोषक बनेंगी। आर्थिक स्थिति आपकी मध्य अवस्था में काफी ठीक रहेगी। समाज में आपका अच्छा नाम होगा।

मानसिक स्थिति आपकी स्वतंत्र विचारधारा की रहेगी। इससे आपको पराधीन रहकर कार्य करना अच्छा नहीं लगेगा। आप किसी के आधीन कार्य करने की अपेक्षा स्वतंत्र रूप से कार्य करने पर अपनी प्रतिभा का उपयोग अधिक करेंगी। आप अपने कार्य करने के ढंग में स्वतंत्रता, निष्पक्षता, अधिक पसन्द करेंगी।

Himanshu

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी- कठिनाई से होता है। अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकते हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचि पूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगे। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।

Arti

भाग्यांक आठ का स्वामी शनि ग्रह को माना गया है। शनि ग्रह अति धीमा होने से तीस वर्ष में एक राशिपथ भ्रमणचक्र पूर्ण करता है। इसके प्रभाव से आपका भाग्योदय भी धीरे-धीरे होगा। आप भले ही कितनी भी गरीबी में उत्पन्न हुई हों आपका भाग्य सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ता चला जायेगा। इस मध्य रुकावटें भी आयेंगी, जिन्हें आप धैर्य एवं अपने श्रम से पार कर लेंगी। आलस्य एवं निराशा आपकी तरक्की की बाधाएँ रहेंगी। इन पर विजय प्राप्त करना आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

आप अपने कार्यक्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त करेंगी। आपकी सभी सफलताएं विधनों से युक्त होते हुये भी आप आसानी से अपनी तरक्की के रास्ते स्वयं निर्मित कर लेंगी। आपका भाग्योदय 35 वर्ष की अवस्था के पश्चात ही होगा। बचपन की अपेक्षा मध्य तथा अन्तिम अवस्था आपके भाग्योदय में विशेष सहायक होगी। अन्तिम अवस्था आपकी अच्छी रहेगी एवं धन सम्पत्ति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी।